रात्रि क्लास 18/1/69 ओम शांति शिवबाबा याद है?

मीठे–2 बच्चे आते हैं रूहानी बाप से रिफ्रेश होने; क्योंकि बच्चे जानते हैं बेहद के बाप से बेहद विश्व की बादशाही लेनी है। यह कब भूलना न चाहिए; परंतु भूल जाते हैं। माया भुला देती है। अगर न भुलावे तो खुशी .....। बाप समझाते हैं बच्चों इस बैज को घड़ी–2 देखते रहो। चित्रों को भी देखते रहो। घूमते–फिरते बैज को देखते (रहो) तो पता पड़े बाप द्वारा हम बाप की याद से .... यह बन रहे हैं। दैवीगुण भी धारण करनी है। यही समय है नॉलेज मिलने का। बाप कहते हैं मीठे–2 बच्चों, रात–दिन मीठे–2 कहते रहते हैं। बच्चे नहीं कह सकते मीठे–2 बाबा। कहना तो दोनों को चाहिए। दोनों ही मीठे हैं ना बेहद के बाप; परंतु कई देहअभिमानी सिर्फ बाप को ही मीठा–2 कहते हैं। कई बच्चे तो गुस्से में आकर फिर दादा को भी कुछ कह देते हैं। कब (बा)प को कहा तो दादा को भी कहा। बात एक हो जाती। कब ब्राह्मणी पर कब ब्राह्मण पर नाराज ..... हो पड़ते हैं। तो बेहद का बाप बैठ बच्चों को शिक्षा देते हैं। गांव–2 में बच्चे हैं सभी को लिखते रहते हैं तुम्हारा . .....ट आते हैं। गुस्सा करते हो। बेहद का बाप इसको देहअभिमानी कहेंगे। बाप तो सभी को कहते हैं। बच्चे, देहीअभिमानी बनो। यह दादा अपन को भी कहते हैं मैं भी देहअभिमानी नहीं बनता हूँ। बनता रहता हूँ। ऐसे नहीं कि यह दादा भी देहीअभिमानी बन गया है। इनका सूक्ष्मवतन में भी सा॰ करते हैं, फिर भी खुद कहते कर्मातीत अवस्था में अजन टाइम चाहिए। मैं अभी बन जाऊँ तो पिछाड़ी वालों की भी कर्मातीत अवस्था हो जाये। लड़ाई लग जाये। सभी बच्चे नीचे–ऊपर होते रहते हैं। इसमें भी माया समर्थ पहलवान से लड़ाई करती है। महावीर हनुमान दिखाया है ना। उनको भी हिलाने की कोशिश की इस समय ही सभी की परीक्षा लेते हैं।

18/1/69 3

माया से हार जीत सभी की होती है। लड़ाई में स्मृति–विस्मृति सभी होता है। जो जितना स्मृति में रहते हैं, निरंतर बाप की याद में रहने की कोशिश करते हैं वह अच्छा पा सकते हैं। बाप आये हैं बच्चों को पढ़ाने। सो तो पढ़ाते रहते हैं। श्रीमत पर चलते रहना है। बाबा अपने लिए थोड़े ही कहते हैं। श्रीमत पर चलने से ही श्रेष्ठ बनेंगे। इसमें कोई से बिगड़ने की बात ही नहीं। बिगड़ना माना क्रोध करना। बच्चों को कोई भी प्रकार का क्रोध नहीं करना है। कोई भी लॉ अपने हाथ में नहीं उठाना है। कोई भी क्रोध वा कोई भूल आदि करते हैं तो बाबा पास रिपोर्ट करनी है। खुद किसको न कहना चाहिए। फिर लॉ अपने हाथ में ले लिया। गवर्नमेंट लॉ हाथ में उठाने नहीं देती है। कोई ने ठूंसा मारा तो उनको ठूंसा नहीं मारेंगे। रिपोर्ट करेंगे फिर उन पर केस होगा ....हा भी कब बच्चों को कब सामने कुछ न कहना चाहिए। बाबा को बोलो। बाबा युक्ति बहुत मीठी बतावेंगे। मीठेपन से शिक्षा देंगे। देहअभिमानी बनने से ही अपना पद कम कर देते हैं। घाट क्यों डालना चाहिए। जितना हो सके बाप को याद करते रहो। बेहद के बाप को बहुत प्यार से याद करो। विश्व की राजाई देते हैं। सिर्फ दैवीगुण धारण करनी है। देवताएँ किसकी निन्दा करते हैं क्या? अच्छे–2 महारथी भी निन्दा बिगर रहते नहीं। तुम बा..... को वो लो तो बाप बहुत प्यार से सावधानी देंगे, नहीं तो टाइम वेस्ट होता है। निन्दा करने से तो बाप को याद करें तो बहुत फायदा होगा। कोई से भी बात न करना अच्छा है। तुम बच्चे दिल में समझते हो हम नई दुनिया की बादशाही स्थापन कर रहे हैं। अंदर में कितना फखुर रहना चाहिए। मुख्य है ही याद और दैवीगुण। बस। चक्र को तो याद करते ही हैं। वह तो सहज याद पड़ेगा। 84 का चक्र है ना। तुमको सृष्टि के आदि–मध्य–अंत ड्यूरेशन का पता है। फिर औरों को भी बहुत प्यार से परिचय देना है। बेहद का बाप हमको विश्व का मालिक बना रहे हैं। राजयोग सिखला रहे हैं। विनाश भी सामने खड़ा है। है भी संगमयुग। तब कि नई दुनिया स्थापन होती है तो पुरानी दुनिया खलास होती है। बाप बच्चों को सावधान करते रहते हैं। सिमर–सिमर–सिमर सुख पाओ, कल कलेश मिटे..... आधा कल्प लिये मिट जावेंगे। बाप सुखधाम स्थापन करते हैं, माया रावण दुःखधाम स्थापन करती है। यह बातें तुम बच्चों के सिवाय कोई भी नहीं जानते हैं। सुखधाम स्थापन हो रहा है। यह तुम बच्चे जानते हो नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। बाप का बच्चों में कितना लव होता है। शुरू से बाप का लव है। बाप का मालूम है ..... मैं जाती हूँ बच्चे जो काम चिक्षा पर चढ़ काले बन गये हैं उन्हों को गोरा बनाने जाता हूँ। बाप तो नॉलेजफुल है। बच्चे फिर आस्ते–2 लेते हैं। माया फिर भुला देती है। बच्चों

को दिन–प्रतिदिन खुशी का पारा चढ़ा रहना चाहिए। सतयुग में पारा चढ़ा हुआ था। अभी फिर चढ़ना है याद की यात्रा से। आहिस्ते–2 चढ़ेगा। हार–जीत होते–2 फिर नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार कल्प पहले मिसल अपना–2 पद पा लेंगे। बाकी टाइम तो वही लगता है जो कल्प–2 लगता है। पास वही होंगे जो कल्प–2 हुये हैं। बाप दादा साक्षी हो बच्चों की अव..... देखते रहते हैं, फिर समझानी देते रहते हैं। बाहर सेन्टर्स आदि पर रहते हैं तो इतना रिफ्रेश नहीं रहते हैं। इसलिए यहां बच्चे आते ही हैं रिफ्रेश होने लिए। बाप लिखते हैं भी परिवार सहित सभी को याद प्यार देन.... है हद का बाप यह है बेहद का बाप और दादा दोनों का बहुत लव है; क्योंकि कल्प–2 लवली ..... करते हैं और बहुत प्यार से करते हैं। अंदर तरस पड़ता है। न पढ़ेंगे या चलन अच्छी नहीं होगी तो कम प.... लेंगे। श्रीमत पर नहीं चलते हैं और बाबा क्या कर सकते हैं। यहां और वहां रहने में बहुत फर्क है; परंतु यहां नहीं रह सकते। बच्चे वृद्धि को पाते रहते हैं। प्रबंध भी करते रहते हैं। यह भी बाप ने समझाया है यह सबसे बड़ा तीर्थ है। बाप कहते हैं मैं यहां ही आकर सृष्टि को 5तत्वों सहित सभी को पवित्र बनाता हूँ। .... सेवा है। एक ही बाप जो आकर सर्व की सद्गति करते हैं। सो भी अनेक बार किया है। यह जानते हुये ..... भूल जाते हैं। माया बड़ी जबरदस्त है। आधा कल्प इनका राज्य चलता है। माया हराती है फिर बाप खड़ा ..... है। बहुत लिखते हैं बाबा हम गिर गया। अच्छा, फिर न गिरना। फिर भी गिर पड़ते हैं। कितनी चोट लग ..... सारा मदार पढ़ाई के ऊपर है। पढ़ाई में योग है ही। फलाना मुझे पढ़ा रहे हैं। अब तुम समझते हो बाप पढ़ा रहे हैं। यहां तुम बहुत रिफ्रेश होते हो। गायन भी है निन्दा हमारी जो करे मित्र हमारा सो। भगव..... में आकर मित्र बनता हूँ। मेरी कितनी निन्दा करते हैं। मैं तो समझता हूँ सभी हमारे बच्चे हैं। कितनी मेरी ..... उनके साथ है। किसकी निन्दा करना अच्छा नहीं है। इस समय बहुत खबरदारी रखनी है। अच्छा गुडनाइट।